TestGenie
AI-Powered Question Paper Generator

Hindi — Class 8

Chapter(s): लाख की चूड़ियाँ

Maximum Marks: 39 **Time Allowed: 1 Hour 10 Minutes**

Section A — MCQ & Assertion-Reason (1 mark each)

Q1. 'लाख की चूड़ियाँ' पाठ में लेखक का मुख्य उद्देश्य क्या उभरकर आता है? [1 अंक]

A) मेहनतकश कारीगरों के श्रम और स्वाभिमान का मूल्य दिखाना

B) शहरी जीवन की चमक-दमक का वर्णन करना

C) युद्ध में प्रयुक्त अस्त्र-शस्त्रों का महत्त्व बताना

D) पर्व-त्योहारों के रीति-रिवाजों का विवरण देना

Q2. यदि पाठ की घटनाओं को सामाजिक मूल्य के आधार पर परखा जाए, तो 'मानवीय संवेदना' का सबसे ठोस संकेत किस व्यवहार में माना जाएगा? [1 अंक]

A) कारीगर से कम-से-कम कीमत पर सामान लेने की जिद

B) कारीगर के काम को 'छोटा' कहकर टाल देना

C) कारीगर के श्रम का सम्मान करते हुए उचित मूल्य/सम्मान देना

D) कारीगर की कला को नजरअंदाज करके ब्रांड की मांग करना

Q3. पाठ के संदर्भ में 'गरीबी' का चित्रण सबसे अधिक किस उद्देश्य से किया गया है? [1 अंक]

A) गरीबी को भाग्य-निर्धारित बताकर स्वीकार करने के लिए

B) गरीबी के साथ भी स्वाभिमान, श्रम और मानवीयता के संघर्ष को दिखाने के लिए

C) गरीबी को हास्य का विषय बनाने के लिए

D) गरीबी को केवल आँकड़ों से समझाने के लिए

Q4. 'लाख की चूड़ियाँ' पाठ का संदेश आज के ऑनलाइन-खरीदारी के संदर्भ में किस निष्कर्ष की ओर ले जाता है? [1 अंक]

A) केवल छूट देखकर खरीदना ही समझदारी है

B) हस्तशिल्प/कारीगर के श्रम को अनदेखा करना उचित है

C) खरीदते समय वस्तु के पीछे के श्रम, उचित मूल्य और नैतिकता पर भी विचार करना चाहिए

D) मशीन से बनी वस्तु हमेशा बेहतर होती है

Generated by testgenie.ai — review for accuracy before use.

Q5. पाठ के भाव के अनुसार 'लाख की चूड़ियाँ' किस प्रकार का प्रतीक बनकर उभरती हैं? [1 अंक]

A) युद्ध-जय का प्रतीक

B) श्रम से उपजा सौंदर्य और मानवीय गरिमा का प्रतीक

C) प्रकृति-पूजा का प्रतीक

D) आधुनिक तकनीक की श्रेष्ठता का प्रतीक

Q6. अभिकथन (A): पाठ का संदेश यह है कि उपभोक्ता का व्यवहार कारीगर के जीवन पर वास्तविक प्रभाव डालता है।

कारण (R): क्योंकि उपभोक्ता द्वारा दिया गया सम्मान और उचित मूल्य कारीगर के श्रम-जीवन को टिकाऊ बनाता है। [1 अंक]

A) अभिकथन और कारण दोनों सही हैं और कारण, अभिकथन की सही व्याख्या करता है।

B) अभिकथन और कारण दोनों सही हैं किन्तु कारण, अभिकथन की सही व्याख्या नहीं करता है।

C) अभिकथन सही है किन्तु कारण गलत है।

D) अभिकथन गलत है किन्तु कारण सही है।

Q7. अभिकथन (A): 'लाख की चूड़ियाँ' में लेखक ने भाषा को बहुत जटिल रखकर पाठ को कठिन बनाया है।

कारण (R): क्योंकि लेखक ने सरल, बोलचाल के निकट भाषा से पात्रों की वास्तविकता और वातावरण को विश्वसनीय बनाया है। [1 अंक]

A) अभिकथन और कारण दोनों सही हैं और कारण, अभिकथन की सही व्याख्या करता है।

B) अभिकथन और कारण दोनों सही हैं किन्तु कारण, अभिकथन की सही व्याख्या नहीं करता है।

C) अभिकथन सही है किन्तु कारण गलत है।

D) अभिकथन गलत है किन्तु कारण सही है।

Q8. अभिकथन (A): पाठ में कारीगर की कला का चित्रण केवल सौंदर्य-प्रदर्शन है, सामाजिक प्रश्न नहीं उठाता

कारण (R): क्योंकि कला के चित्रण के साथ यह भी दिखता है कि समाज में श्रम का मूल्यांकन अक्सर वर्ग-भेद और संवेदना से तय होता है। [1 अंक]

A) अभिकथन और कारण दोनों सही हैं और कारण, अभिकथन की सही व्याख्या करता है।

B) अभिकथन और कारण दोनों सही हैं किन्तु कारण, अभिकथन की सही व्याख्या नहीं करता है।

C) अभिकथन सही है किन्तु कारण गलत है।

D) अभिकथन गलत है किन्तु कारण सही है।

Q9. अभिकथन (A): पाठ में 'उचित मूल्य' की चर्चा केवल आर्थिक लेन-देन तक सीमित है।

कारण (R): क्योंकि उचित मूल्य का अर्थ यहाँ कारीगर के श्रम और मान-सम्मान की स्वीकार्यता से भी जुड़ जाता

Generated by testgenie.ai — review for accuracy before use.

है। [1 अंक]

A) अभिकथन और कारण दोनों सही हैं और कारण, अभिकथन की सही व्याख्या करता है।

B) अभिकथन और कारण दोनों सही हैं किन्तु कारण, अभिकथन की सही व्याख्या नहीं करता है।

C) अभिकथन सही है किन्तु कारण गलत है।

D) अभिकथन गलत है किन्तु कारण सही है।

Q10. अभिकथन (A): 'लाख की चूड़ियाँ' में वस्तु का प्रतीकीकरण पाठ के सामाजिक संदेश को अधिक प्रभावी बनाता है।

कारण (R): क्योंकि जब एक साधारण वस्तु के माध्यम से श्रम, वर्ग-भेद और संवेदना जैसे मुद्दे सामने आते हैं, तं पाठक उन्हें रोज़मर्रा के जीवन से जोड़ पाता है। [1 अंक]

A) अभिकथन और कारण दोनों सही हैं और कारण, अभिकथन की सही व्याख्या करता है।

B) अभिकथन और कारण दोनों सही हैं किन्तु कारण, अभिकथन की सही व्याख्या नहीं करता है।

C) अभिकथन सही है किन्तु कारण गलत है।

D) अभिकथन गलत है किन्तु कारण सही है।

Section B — Very Short Answer (2 marks each)

Q11. 'लाख की चूड़ियाँ' पाठ के आधार पर 'चूड़ियाँ' वस्तु कैसे 'प्रतीक' बन जाती हैं? उत्तर ठीक 2 वाक्यों में लिखिए। [2 अंक]

Q12. कल्पना कीजिए कि आपके स्कूल में 'स्थानीय हस्तशिल्प' प्रदर्शनी लग रही है। 'लाख की चूड़ियाँ' पाठ की सीख के आधार पर, दर्शकों के लिए 2 वाक्यों का संदेश लिखिए ताकि वे कारीगरों का सम्मान कर सकें। [2 अंक]

Q13. पाठ के आधार पर बताइए कि लेखक ने 'वस्तु-वर्णन' का उपयोग सामाजिक अर्थ बनाने के लिए कैसे किया है। उत्तर ठीक 2 वाक्यों में लिखिए। [2 अंक]

Section C — Short Answer (3 marks each)

Q14. 'लाख की चूड़ियाँ' पाठ के आधार पर उपभोक्ता (खरीदार) की नैतिक जिम्मेदारी पर 3 numbered बिंदुओं में लिखिए। हर बिंदु में शीर्षक + 1 वाक्य व्याख्या दीजिए (कुल 130-160 शब्द)। [3 अंक]

Q15. 'लाख की चूड़ियाँ' में 'वस्तु' के माध्यम से 'मानव' को केंद्र में लाने की लेखक-तकनीक का विश्लेषण 3 numbered बिंदुओं में कीजिए (कुल 130-160 शब्द)। [3 अंक]

Q16. कल्पना कीजिए कि आपके मित्र ने कहा-"हस्तशिल्प महँगा होता है, इसलिए सस्ता सामान लेना ही सही है।" 'लाख की चूड़ियाँ' के आधार पर इस कथन का खंडन 3 numbered बिंदुओं में कीजिए (कुल 130-160

Generated by testgenie.ai — review for accuracy before use.

शब्द)। [3 अंक]

Section D — Long Answer (5 marks each)

Q17. 'लाख की चूड़ियाँ' पाठ के आधार पर यह विश्लेषण कीजिए कि कथावाचक/लेखक द्वारा बस (वयोवृद्धा) का मानवीकरण किस प्रकार किया गया है और इससे पाठ का केंद्रीय भाव कैसे उभरता है। उत्तर की संरचना: 1 भूमिका-वाक्य, फिर 5 क्रमांकित बिंदु (हर बिंदु का शीर्षक लिखें और 2 वाक्य), अंत में 1 निष्कर्ष-वाक्य। [5 अंक]

Q18. कल्पना कीजिए कि आपके विद्यालय की पुरानी बस, जिसे बच्चे प्यार से 'दादी बस' कहते हैं, बार-बार खराब हो रही है। 'लाख की चूड़ियाँ' पाठ की संवेदना के आधार पर एक तर्कपूर्ण, संतुलित निर्णय-नोट लिखिए कि बस को चलाते रहना चाहिए या उसे बदल देना चाहिए। उत्तर में सुरक्षा, कृतज्ञता, खर्च और नैतिक दृष्टि-चारों पहलुओं को जोड़ते हुए लिखिए। संरचना वही रहे: 1 भूमिका, 5 शीर्षकयुक्त बिंदु (प्रत्येक में 2 वाक्य), 1 निष्कर्ष। [5 अंक]

Section E — Case Study (4 marks each)

Q19. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए: [4 अंक]

एक विद्यालय में 22 सीटों वाली पुरानी बस है, जिसे बच्चे 'दादी बस' कहकर सम्मान देते हैं। पिछले 6 महीनों में बस 12 बार रास्ते में रुक गई। प्रबंधन समिति ने रिकॉर्ड बनाया: 12 में से 7 बार इंजन अधिक गरम हुआ, 3 बार ब्रेक की समस्या आई, 2 बार टायर पंचर हुए। मरम्मत पर कुल ₹18,000 खर्च हुए और हर बार औसतन 35 मिनट की देरी हुई, जिससे परीक्षा-दिनों में बच्चों का तनाव बढ़ा। कुछ अभिभावक कहते हैं-"यह बस तो पूजा के योग्य है, इसे हटाना पाप होगा।" दूसरी ओर चालक बताता है कि बस का 'फिटनेस' प्रमाणपत्र अगले महीने समाप्त हो रहा है। प्रधानाचार्य चाहती हैं कि निर्णय भावनात्मक नहीं, जिम्मेदारीपूर्ण हो: बस को तत्काल बंद करना, सीमित रूट पर चलाना, या नई बस की प्रक्रिया शुरू करना-इन तीन विकल्पों में एक चुना जाए।

(i) दिए गए रिकॉर्ड के आधार पर सबसे गंभीर समस्या कौन-सी मानी जाएगी, और क्यों? उत्तर एक वाक्य में दीजिए। (1 अंक)

(ii) पाठ की भावना के अनुसार 'पूजा के योग्य' कहने वाली सोच में कौन-सा व्यावहारिक विरोधाभास छिपा है? उत्तर एक वाक्य में दीजिए। (1 अंक)

(iii) तीनों विकल्पों (तत्काल बंद, सीमित रूट, नई बस प्रक्रिया) में से सबसे संतुलित निर्णय क्या होगा? रिकॉर्ड से दो कारण देकर लिखिए। (2 अंक)

Generated by testgenie.ai — review for accuracy before use.

Hindi — Class 8

Chapter(s): लाख की चूड़ियाँ

Section A — MCQ & Assertion-Reason (1 mark each)

A1.

उत्तर:

Correct option: (A)

मेहनतकश कारीगरों के श्रम और स्वाभिमान का मूल्य दिखाना

Explanation:

पाठ में 'चूड़ियाँ' एक वस्तु से आगे बढ़कर कारीगर के श्रम, कला और आत्मसम्मान का प्रतीक बन जाती हैं। कहानी का भाव यही संकेत करता है कि साधन सीमित होने पर भी श्रम और स्वाभिमान मनुष्य को ऊँचा बनाते हैं। Hence, option (A) is correct.

A2.

उत्तर:

Correct option: (C)

कारीगर के श्रम का सम्मान करते हुए उचित मूल्य/सम्मान देना

Explanation:

पाठ का नैतिक केंद्र श्रम-सम्मान और संवेदना है, इसलिए उचित मूल्य और सम्मान देना सबसे मानवीय व्यवहार बनता है। इससे कारीगर की गरिमा और उसकी मेहनत का न्याय दोनों सुनिश्चित होते हैं। Hence, option (C) is correct.

A3.

उत्तर:

Correct option: (B)

गरीबी के साथ भी स्वाभिमान, श्रम और मानवीयता के संघर्ष को दिखाने के लिए

Explanation:

कहानी गरीबी को सनसनी या मज़ाक की तरह नहीं रखती, बल्कि उसे संघर्ष और आत्मसम्मान की परीक्षा-भूमि की तरह दिखाती है। इससे पाठ का सामाजिक संदेश गहरा और मानवीय बनता है। Hence, option (B) is correct.

A4.

उत्तर:

Correct option: (C)

खरीदते समय वस्तु के पीछे के श्रम, उचित मूल्य और नैतिकता पर भी विचार करना चाहिए

Explanation:

पाठ का मर्म यही है कि वस्तु के पीछे मनुष्य का श्रम और उसकी गरिमा जुड़ी होती है। इसलिए आधुनिक संदर्भ में भी जिम्मेदार उपभोक्ता वही है जो नैतिक खरीद और उचित मूल्य का ध्यान रखे। Hence, option (C) is correct.

A5.

उत्तर:

Correct option: (B)

श्रम से उपजा सौंदर्य और मानवीय गरिमा का प्रतीक

Explanation:

चूड़ियाँ पाठ में केवल आभूषण नहीं रहतीं; वे मेहनत, कला और उससे जुड़े आत्मसम्मान को उजागर करती हैं। इसलिए वे 'श्रमजन्य सौंदर्य' और 'गरिमा' की प्रतीकात्मक वस्तु बन जाती हैं। Hence, option (B) is correct.

A6.

उत्तर:

Correct option: (A)

अभिकथन और कारण दोनों सही हैं और कारण, अभिकथन की सही व्याख्या करता है।

Explanation:

कहानी उपभोक्ता-कारीगर संबंध को केवल सौदे तक सीमित नहीं रखती, बल्कि उसे मानवीय संबंध के रूप में दिखाती है। कारण इसी को स्पष्ट करता है कि सम्मान/उचित मूल्य कारीगर की आजीविका और आत्मसम्मान दोनों को सहारा देता है। Hence, option (A) is correct.

Generated by testgenie.ai — review for accuracy before use.

A7.

उत्तर:

Correct option: (D)

अभिकथन गलत है किन्तु कारण सही है।

Explanation:

अभिकथन गलत है क्योंकि पाठ का प्रभाव प्रायः सहज और स्थितिजन्य भाषा से बनता है, न कि अनावश्यक जटिलता से। कारण सही है क्योंकि बोलचाल के निकट भाषा पात्रों और परिवेश को जीवंत व विश्वसनीय बनाती है। Hence, option (D) is correct.

A8.

उत्तर:

Correct option: (D)

अभिकथन गलत है किन्तु कारण सही है।

Explanation:

अभिकथन गलत है क्योंकि कारीगरी का वर्णन सामाजिक संदर्भ रचता है और श्रम के प्रति समाज का रवैया उजागर करता है। कारण सही है क्योंकि पाठ कला के साथ-साथ वर्ग-भेद और संवेदना/असंवेदना का प्रश्न उठाता है। Hence, option (D) is correct.

A9.

उत्तर:

Correct option: (D)

अभिकथन गलत है किन्तु कारण सही है।

Explanation:

अभिकथन गलत है क्योंकि कहानी में मूल्य का प्रश्न नैतिक और मानवीय पक्षों से भी जुड़ा है, सिर्फ पैसे से नहीं। कारण सही है क्योंकि उचित मूल्य श्रम-सम्मान की मान्यता का भी संकेत बनता है। Hence, option (D) is correct.

A10.

उत्तर:

Correct option: (A)

Generated by testgenie.ai — review for accuracy before use.

अभिकथन और कारण दोनों सही हैं और कारण, अभिकथन की सही व्याख्या करता है।

Explanation:

प्रतीक के रूप में चूड़ियाँ पाठ को केवल घटना-कथा नहीं रहने देतीं, बल्कि सामाजिक अर्थ देती हैं। कारण ठीक बताता है कि रोज़मर्रा की वस्तु के जरिए बड़े मुद्दे सीधे अनुभव से जुड़ जाते हैं। Hence, option (A) is correct.

Section B — Very Short Answer (2 marks each)

A11.

उत्तर:

इस पाठ में चूड़ियाँ केवल पहनने की वस्तु नहीं रहतीं, वे कारीगर के श्रम, कला और स्वाभिमान का प्रतीक बन जाती हैं। चूड़ियों के प्रसंग से लेखक समाज में श्रम का मूल्य, वर्ग-भेद और मानवीय संवेदना/असंवेदना का संकेत देता है।

A12.

उत्तर:

स्थानीय हस्तशिल्प खरीदते समय वस्तु के पीछे लगे श्रम और समय को समझकर कारीगर को उचित मूल्य और सम्मान दें। किसी भी हस्तनिर्मित वस्तु को 'सस्ता' कहकर कमतर न आँकें, क्योंकि यह कारीगर की गरिमा और आजीविका दोनों से जुड़ी होती है।

A13.

उत्तर:

लेखक चूड़ियों/कारीगरी के वर्णन से यह दिखाता है कि सुंदर वस्तु के पीछे किसी का कठिन श्रम और कौशल छिपा होता है। इसी वर्णन के सहारे वह वर्ग-भेद, संवेदना और श्रम-सम्मान जैसे सामाजिक प्रश्न पाठक के सामने रख देता है।

Section C — Short Answer (3 marks each)

A14.

उत्तर:

1) श्रम-सम्मान: खरीदार को वस्तु के पीछे लगे समय, कौशल और मेहनत का सम्मान करना चाहिए, क्योंकि हस्तनिर्मित वस्तु कारीगर की पहचान और गरिमा से जुड़ी होती है।

2) उचित मूल्य: केवल मोल-भाव से 'कम दाम' निकालना समझदारी नहीं; उचित मूल्य देना कारीगर की

Generated by testgenie.ai — review for accuracy before use.

आजीविका को टिकाऊ बनाता है और शोषण की संभावना घटाता है।

3) संवेदनशील व्यवहार: बोलचाल और रवैये में विनम्रता रखना आवश्यक है; किसी की कला को छोटा बताना या अपमानित करना मानवीयता के विरुद्ध है और पाठ इसी असंवेदना की आलोचना करता है।

A15.

उत्तर:

1) वस्तु से कथा-धुरी: लेखक चूड़ियों को कथा का ठोस आधार बनाता है ताकि पाठक पहले वस्तु के आकर्षण/उपयोग को समझे और फिर उसके पीछे की दुनिया पर विचार करे।

2) वस्तु से सामाजिक संदर्भ: चूड़ियों के निर्माण और खरीद-बिक्री का प्रसंग श्रम, वर्ग-भेद और सम्मान जैसे सामाजिक प्रश्नों को स्वाभाविक रूप से सामने लाता है।

3) वस्तु से नैतिक निष्कर्ष: जब वस्तु के मूल्य पर बातचीत होती है, तो असल में मानव-गरिमा और संवेदना का मूल्य तय होता है; इसी तरह लेखक बिना उपदेश के नैतिक संदेश स्थापित करता है।

A16.

उत्तर:

1) मूल्य बनाम दाम: 'सस्ता' दाम हमेशा 'सही' मूल्य नहीं होता; पाठ सिखाता है कि मूल्य में कारीगर का श्रम, समय और कौशल भी शामिल है।

2) शोषण की संभावना: केवल कम दाम के पीछे भागने से कारीगर को उचित पारिश्रमिक नहीं मिलता और उसका श्रम कमतर आँका जाता है, जिससे शोषण बढ़ सकता है।

3) सामाजिक जिम्मेदारी: हस्तशिल्प खरीदना एक नैतिक चुनाव भी है; उचित मूल्य देकर हम परंपरागत कला, स्थानीय रोजगार और मानवीय गरिमा को समर्थन देते हैं-यही पाठ की मूल सीख है।

Section D — Long Answer (5 marks each)

A17.

उत्तर:

यह पाठ साधारण-सी बस को 'वयोवृद्धा' के रूप में चित्रित करके हमारे व्यवहार, संवेदना और मूल्य-बोध की परीक्षा लेता है।

1) मानवीकरण का आधार: उम्र और अनुभव

लेखक बस को बहुत बूढ़ा, अनुभवों के निशान लिए हुए प्राणी की तरह देखता है। इससे बस केवल मशीन नहीं रहती, बल्कि अपने "जीवन" और "इतिहास" वाली एक उपस्थिति बन जाती है।

2) श्रद्धा बनाम सुविधा का द्वंद्व

Generated by testgenie.ai — review for accuracy before use.

लोग कहते हैं कि इससे सफर नहीं करेंगे क्योंकि वृद्धावस्था में उसे कष्ट होगा, पर यह तर्क उनकी सुविधा-चिंत भी छिपाता है। लेखक दिखाता है कि हम अक्सर अपनी असुविधा को 'करुणा' का नाम देकर सही ठहराते हैं

3) 'पूजा के योग्य' कथन का अर्थ

बस को पूजा के योग्य कहना अतिशयोक्ति नहीं, बल्कि समाज की सामूहिक भावना का संकेत है। यह बतात है कि उपयोगी वस्तु/सेवा के प्रति कृतज्ञता कैसे श्रद्धा का रूप ले लेती है।

4) भाषा-शैली और व्यंग्य का संकेत

वृद्धा, पूजा, सवार कैसे हुआ जा सकता है-ऐसे शब्द बस को व्यक्ति-सा सम्मान दिलाते हैं और साथ ही हल्का व्यंग्य भी पैदा करते हैं। यही व्यंग्य पाठक को सोचने पर मजबूर करता है कि सम्मान दिखाना आसान है, जिम्मेदारी निभाना कठिन।

5) केंद्रीय भाव: संवेदना की व्यावहारिकता

पाठ का संदेश यह है कि संवेदना केवल भावुक घोषणा नहीं, व्यवहार में उतरने वाला मूल्य है। बस के प्रति सम्मान का वास्तविक अर्थ उसे सुरक्षित रखना, जिम्मेदारी से उपयोग करना और उसके 'कष्ट' को सच में कम करना है।

निष्कर्षतः, बस का मानवीकरण पाठ में करुणा, कृतज्ञता और सामाजिक दिखावे के बीच का अंतर स्पष्ट करके केंद्रीय भाव को गहराई देता है।

A18.

उत्तर:

यह निर्णय केवल सुविधा का नहीं, सुरक्षा और मूल्य-बोध का भी है, इसलिए 'दादी बस' के प्रति श्रद्धा को व्यवहारिक जिम्मेदारी से जोड़कर देखना चाहिए।

1) सुरक्षा सर्वोपरि

बस का बार-बार खराब होना संकेत है कि जोखिम बढ़ रहा है और दुर्घटना की संभावना भी। श्रद्धा का अर्थ यह नहीं कि बच्चों की जान को खतरे में डालकर भी बस चलती रहे।

2) कृतज्ञता का सही रूप

पाठ बताता है कि 'पूजा के योग्य' कहना तभी सार्थक है जब हम सच में देखभाल करें। कृतज्ञता का सही रूप यह है कि बस की सेवा को सम्मान देते हुए उसे गरिमापूर्ण विदाई और उचित विकल्प दें।

3) आर्थिक दृष्टि: मरम्मत बनाम प्रतिस्थापन

हर बार मरम्मत पर खर्च 'छोटा' लगता है, पर कुल जोड़ने पर वह नई बस के डाउन-पेमेंट जितना भी हो सकता है। साथ ही खराबी के कारण समय-हानि और असुविधा की अप्रत्यक्ष लागत भी होती है।

4) पर्यावरण और संसाधन का संतुलन

Generated by testgenie.ai — review for accuracy before use.

पुरानी बस को तुरंत कबाड़ बनाना संसाधनों की बर्बादी है, इसलिए उसकी फिटनेस-जांच जरूरी है। यदि संरचना मजबूत है तो सीमित अवधि के लिए सुरक्षित मरम्मत के साथ चलाया जा सकता है, वरना चरणबद्ध प्रतिस्थापन बेहतर है।

5) नैतिक/सामाजिक संदेश

बच्चे 'दादी बस' से भावनात्मक रूप से जुड़े हैं, इसलिए निर्णय पारदर्शी होना चाहिए। विद्यालय को बच्चों को समझाना चाहिए कि सम्मान का अर्थ जोखिम उठाना नहीं, जिम्मेदार विकल्प चुनना है।

निष्कर्षतः, यदि फिटनेस रिपोर्ट और सुरक्षा मानक असफल हों तो बस को बदलना ही उचित है; और यदि मानक पूरे हों तो सीमित समय के लिए नियंत्रित उपयोग के साथ नई बस की योजना बनाकर सम्मानजनक संक्रमण करना चाहिए।

Section E — Case Study (4 marks each)

A19.

(i) दिए गए रिकॉर्ड के आधार पर सबसे गंभीर समस्या कौन-सी मानी जाएगी, और क्यों? उत्तर एक वाक्य में दीजिए।

उत्तर:

ब्रेक की समस्या सबसे गंभीर मानी जाएगी, क्योंकि यह सीधे दुर्घटना का जोखिम बढ़ाती है और बच्चों की सुरक्षा पर तत्काल प्रभाव डालती है।

(ii) पाठ की भावना के अनुसार 'पूजा के योग्य' कहने वाली सोच में कौन-सा व्यावहारिक विरोधाभास छिपा है? उत्तर एक वाक्य में दीजिए।

उत्तर:

विरोधाभास यह है कि लोग सम्मान की बात तो करते हैं, पर सुरक्षित रख-रखाव और जोखिम कम करने की जिम्मेदारी निभाने के बजाय भावुक तर्क देकर निर्णय टालना चाहते हैं।

(iii) तीनों विकल्पों (तत्काल बंद, सीमित रूट, नई बस प्रक्रिया) में से सबसे संतुलित निर्णय क्या होगा? रिकॉर्ड से दो कारण देकर लिखिए।

उत्तर:

सबसे संतुलित निर्णय यह होगा कि सुरक्षा जांच के बाद बस को केवल सीमित अवधि/सीमित रूट पर चलाते हुए नई बस की प्रक्रिया तुरंत शुरू की जाए। कारण 1: 12 बार रुकने और 3 बार ब्रेक समस्या जैसे संकेत बताते हैं कि जोखिम बढ़ रहा है, इसलिए पूर्ण निर्भरता ठीक नहीं। कारण 2: ₹18,000 और कुल देरी (12×35 मिनट) से समय-हानि/तनाव स्पष्ट है, इसलिए स्थायी समाधान के लिए नई बस आवश्यक है।

Generated by testgenie.ai — review for accuracy before use.